हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 283 देहरादून, बृहस्पतिवार, 04 मई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मंत्रीजी के घर महिला कांग्रेस का हल्लाबोल प्रदर्शन, ज्योति ने मांगा इस्तीफा 3

आज सोनप्रयाग से केदारनाथ भेजे जाएंगे यात्री
डीजीपी और एसपी ने धाम में ही जमाया डेरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग, 4 मई। आज बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे के बाद सोनप्रयाग से केदारनाथ के लिए यात्री भेजे जाएंगे। यात्रियों की संख्या काफी सीमित होगी। साथ ही ऋषिकेश, श्रीनगर से रुद्रप्रयाग के लिए 11 बजे से यात्रा वाहनों को रवाना किया जाएगा। पुलिस ने यात्रियों से मौसम का पूर्वानुमान लेकर ही यात्रा पर आने की अपील की है। साथ ही किसी भी विषम स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर ठहरने की सलाह दी गई है।

बुधवार को बारिश व बर्फबारी के कारण केदारनाथ यात्रा रोकी गई थी। प्रशासन और पुलिस ने सोनप्रयाग, गौरीकुंड से किसी यात्री को आगे नहीं जाने दिया। शाम पांच बजे के बाद मौसम में सुधार को देखते हुए प्रशासन व पुलिस ने बृहस्पतिवार को सुबह 11 बजे से सोनप्रयाग से केदारनाथ के लिए पैदल यात्रा शुरू करने का निर्णय लिया है।

पुलिस अधीक्षक डा. विशाखा अशोक भदाणे ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही यात्रा का संचालन किया जाएगा। सोनप्रयाग, गौरीकुंड से

सीमित संख्या में यात्री भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि पैदल मार्ग पर तैनात पुलिस, एस-डीआरएफ, डीडीआरएफ के जवानों को भी पूरी तरह से सतर्क रहने को कहा गया है।

पुलिस महानिदेशक व पुलिस अधीक्षक केदारनाथ में डेरा जमाए हुए है। बर्फबारी के बीच उन्होंने धाम में यात्रियों से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। साथ ही व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। इस दौरान बाबा के दर्शन करने वाले यात्रियों को निचले इलाकों के लिए भेजा गया। अपराह्न 3 बजे तक 2090 श्रद्धालु सोनप्रयाग लौट आए थे जबकि रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड तक जगह-जगह अब भी 18,000 से

अधिक श्रद्धालु रोके गए हैं।

बुधवार को तड़के से ही केदारनाथ में बर्फबारी होती रही। सुबह करीब आठ बजे ccने मंदिर परिसर, मार्ग सहित जीएमवीएन परिसर में यात्रियों से संवाद किया। उन्होंने यात्रियों से मौसम को देखते हुए धाम में पर्याप्त गर्म कपड़ों का उपयोग करने को कहा। पुलिस महानिदेशक ने देशवासियों से मौसम के हिसाब से चारधाम यात्रा का कार्यक्रम बनाने की अपील की। साथ ही कहा कि मौसम के अनुसार ही बृहस्पतिवार की यात्रा को लेकर निर्णय लिया जाएगा। इधर, पुलिस अधीक्षक ने बताया कि केदारनाथ में 600 से अधिक श्रद्धालु रुके हुए हैं। इसके अलावा हक-हकूकधारी, कारोबारी, तीर्थपुरोहित, यात्रा ड्यूटी पर तैनात अधिकारी-कर्मचारी व पुलिस जवान हैं।

सोनप्रयाग-गौरीकुंड से एक भी यात्री नहीं भेजा गया केदारनाथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग , 4 मई। केदारनाथ धाम में भारी बर्फबारी के चलते बुधवार को सोनप्रयाग और गौरीकुंड से एक भी यात्री केदारनाथ नहीं भेजा गया। जबकि बीते दिन केदारनाथ पहुंचे यात्रियों को दर्शन कराने के बाद गौरीकुंड भेजा गया। बुधवार को केदारनाथ धाम में लगातार बर्फबारी होती रही। सुबह से सांय तक बर्फबारी के कारण यहां मौजूद तीर्थयात्री ठिठुरते रहे। बाबा केदार के दर्शनों के बाद पुलिस ने उन्हें गौरीकुंड भेज दिया। जबकि सुबह सोनप्रयाग और गौरीकुंड से किसी भी यात्री को जाने की अनुमति नहीं दी गई। गौरीकुंड, सोनप्रयाग, सीतापुर, फाटा, गुप्तकाशी और अन्य स्थानों पर रुके यात्री अब मौसस खुलने के साथ ही प्रशासन और पुलिस के अग्रिम निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि अनेक पड़ावों पर रुके तीर्थयात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि वह एक निर्धारित समय के अनुसार यात्रा पर आए थे, किंतु रास्ते में रुकने के कारण यात्रा प्लान गड़बड़ा गया है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने केदारनाथ सहित सम्पूर्ण यात्रा मार्ग पर तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं अन्य अधिकारियों को यात्रियों की हर संभव मदद करने के निर्देश दिए हैं साथ ही मौसम ठीक होने पर ही यात्रियों को धाम जाने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि बर्फबारी के कारण केदारनाथ में उन्हें मुश्किलें हो सकती हैं। वहीं केदारनाथ में दोपहर बाद अन्य दिनों की तरह भीड़ नहीं देखी गई। पुलिस ने सभी यात्रियों को दर्शन कराने के बाद गौरीकुंड और सोनप्रयाग भेज दिया।

मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने की राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से बुधवार को राजभवन में मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने मुख्य सचिव से प्रदेश के विभिन्न समसामयिक विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत ने की केन्द्र पोषित योजनाओं की समीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 4 मई। गढ़वाल सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने बुधवार को जनपद चमोली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लेते हुए केन्द्र पोषित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर गुणवत्ता के साथ योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने पर जोर दिया। सांसद तीरथ सिंह रावत ने केन्द्र पोषित योजनाओं के तहत मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास, पीएमजीएसवाई, जल जीवन मिशन, दीन दयाल ग्राम ज्योति, पीएम फसल बीमा, स्वच्छ भारत मिशन, सर्व शिक्षा, वैकल्पिक ऊर्जा आदि योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत स्वीकृत राशि के अनुरूप आवासों का निर्माण कार्य किए जाए।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना के तहत सडक़ों का निर्माण मानकों के अनुरूप किया जाय। गढ़वाल सांसद ने कहा कि राज्य में चारधाम यात्रा शुरू हो गई है और चारधाम यात्रा हमारी प्रतिष्ठा का सवाल है। सभी अधिकारी पूरी तत्परता के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। हम सभी को तीर्थयात्रियों के साथ मधुर एवं सौम्य व्यवहार रखते हुए अतिथि देवों भवः की भावना से उनका अभिनंदन करना चाहिए। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने सांसद को जिले में संचालित केन्द्र पोषित योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। बताया कि विगत वर्ष में मनेरगा के तहत लक्ष्य से अधिक मानव दिवस सृजित किए गए है। इस वर्ष अप्रैल माह में 28475 मानव दिवस सृजित कर लिए गए है। दीन दयाल अंत्योदय योजना के तहत गठित 4549 समूहों में से 4256 का बैंक लिंकेज के साथ ही 3327 समूहों को रिवाल्विंग फंड भी दिया गया है।

पीएम आवास ग्रामीण के तहत विगत वर्ष में 1378 में से 1365 आवास पूर्ण हो गए है और इस वर्ष 1808 आवास निर्माण का लक्ष्य है। जबकि पीएम आवास शहरी में 1491 में से 1131 आवास पूर्ण हो गए है। पीएमजीएवाई के तहत 31 सडक़ों में से 29 सडक़ों का स्टेज-1 तथा 41 सडक़ों में से 30 सडक़ों का स्टेज-2 का कार्य पूर्ण हो गया है। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 96.75 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिए गए है। हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों में रिनोवेशन व ब्रांडिग कार्य किए गए है। एनएचएम के अन्तर्गत संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत 2791 संस्थागत प्रसव हुए है। इस दौरान जिलाधिकारी ने अन्य योजनाओं की प्रगति से भी विस्तार में अवगत कराया। इस अवसर पर विधायक कर्णप्रयाग अनिल नौटियाल, जिला अध्यक्ष भाजपा रमेश मैखुरी, नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान, नगर पंचायत अध्यक्ष हिमानी वैष्णव, पोखरी नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद पंत, पीपलकोटी नगर पंचायत अध्ययक्ष रमेश बण्डवाल, सांसद प्रतिनिधि राकेश डिमरी, बद्रीनाथ विधायक प्रतिनिधि रविन्द्र नेगी, प्रधान संगठन के अध्यक्ष मोहन नेगी व अन्य जन प्रतिनिधियों सहित डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, डीडीओ डा.महेश कुमार, सीएमओ डा.राजीव शर्मा, सीईओ कुलदीप गैरोला तथा सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गलती को माफ करने से भी मिलते हैं कई लाभ ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 4 मई : आपने कई बार सुना होगा कि हमें अपने मन में बातों को भर के नहीं रखना चाहिए बल्कि उन्हें लोगों के साथ बांटते हुए भूल जाना चाहिए। इसी तरह लोगों को उनकी गलतियों को लिए माफ करना और अपनी गलती की माफी मांगना भी कई मानसिक बीमारियों से बचने का एक आसान उपाय हो सकता है। पर मनोवैज्ञानिकों की मानें, तो ऐसा करना और बातों को भूल जाना सबके लिए आसान नहीं होता। ऐसा इसलिए भी क्योंकि बहुत से लोग माफी को एक थोपने या बोझ के रूप में देखते हैं एक आवश्यकता, जिसे वे करने के लिए दबाव महसूस करते हैं। जबकि क्षमा करना बहुतों के लिए आसान नहीं है, यह एक ऐसा कौशल है जिसे सीखा जा सकता है। वहीं माफ करने के कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

क्षमा करने से सामाजिक दर्द को कम करने में मदद मिल सकती है। कम से कम अगर यह एसिटामिनोफेन के साथ संयुक्त है, तो आप बस इस आदत के कारण कई मानसिक बीमारियों से बच सकते हैं। सामाजिक दर्द को सामाजिक अस्वीकृति के साथ आने वाली भावना के रूप में परिभाषित किया गया है। ये अक्सर तब होता है कि जब किसी को इस बात का एहसास होता है कि लोगों के कारण उनकी जिंदगी खराब हो गई है। दुनिया उसके दर्द का जिम्मेदार है।

चाहे क्षमा करना कितना भी मुश्किल क्यों न हो, पर हमें इससे पीछे हटना नहीं चाहिए। कोई मित्र आपके साथ खड़ा हो या कोई पुरानी बीमारी का निदान हो, यह कई स्वास्थ्य लाभों से जुड़ा हुआ है। अध्ययन से पता चलता है कि उनमें से 148 युवा वयस्कों के एक अध्ययन में, स्टूडेंट और उनकी टीम ने अपने तनाव के जोखिम, क्षमा करने की क्षमता और स्वास्थ्य की स्थिति को मापा। ग्रेटर स्ट्रेस की मानें जिन लोगों में माफी का निचले स्तर मिला, उनमें स्ट्रेस की मात्रा ज्यादा पाई गई। प्रत्येक खराब

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से पीड़ित लोगों के बारे में एक चीज समान थी कि ये लोग थोड़े संकुचित और मन में ज्यादा बातें रखने वाले लोग थे। उनकी तुलना में खुले दिल वाले लोगों में बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की बात की गई।

ज्ञान वायरस : क्या आप जानते हैं नाभि में रुई कैसे बनती है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 मई , आपको भी कभी-कभी तो लगता है की एक फैक्ट्री संग लिये घूम रहा हूँ, पर परेशानी ये है की किसी को बता नहीं सकता, अब भला किस मुँह से किसी से कहते फिरेंगे की भैया हमारी नाभि हर सुबह रुई उगलती है, लोग कहेंगे की नहाते धोते नहीं होगे, साफ़ सफाई नहीं रखते होगे, खान पान सही नहीं होगा इतने सवालों के डर के मारे कभी जबान पे लाये ही नहीं ये बात कुछ दोस्तों से बातें की तो पता चला उनकी नाभि से भी रुई उत्पादन धड़ल्ले से चल रहा है थोड़ा गूगल पे जाके यहाँ वहाँ की खोज किये तो पता चला की ये समस्या ज्यादातर नर और मादाओं को है, तो आज हम लाये है आपके लिये एक खास रिसर्च जो बताएगी की आपकी नाभि में हर रोज ये रुई आती कहा से है।

क्या है ये नाभि में रुई का माज़रा

आपको यहां दो महत्वपूर्ण बातों के बारे में जानने की जरूरत है,पहला यह है कि बाहर की दुनिया में इस समस्या को Navel Fluff के नाम से जाना जाता है, हालांकि

कभी-कभी वैज्ञानिक भाषा में इस परेशानी को Belly Button Lint (बीबीएल) कहते हैं, दूसरी बात यह है कि Navel Fluff की ये समस्या अक्सर मध्यम आयु वर्ग के ज्यादा बाल वाले पुरुषों, विशेष रूप से जिन्होंने हाल ही में वजन बढ़ाया हो उनमे अधिक संख्या में पायी जाती है।

तो किसने की खोज इस रुई की

सिडनी विश्वविद्यालय के कार्ल क्रूसजे-लिनीकी नाम के एक शोधकर्ता के ये निष्कर्ष हैं, एक ऑस्ट्रेलियाई विज्ञान रेडियो शो के दौरान डॉ कार्ल से उनके एक प्रशंसक ने सवाल किया की क्या आपको पता है की ये नाभि में हर रोज़ रुई कहा से आ जाती है ? यही कारण है जिसने क्रूसजेलिनीकी को इस सवाल का जवाब ढूँढने के लिए प्रेरित किया, अपने शोध के लिए, क्रूसजेलिनीकी को 2002 में नोबेल पुरस्कार के सम्मान से नवाजा गया।

तो ये रुई रोज कैसे बनती है

डॉक्टर कार्ल और उनके सहयोगियों ने जब इस विषय पर रिसर्च करना शुरू किया तब उनको ये बात समझ में आयी की दरअसल हर रोज सुबह नाभि में भरने वाली रुई आती कहाँ से है,होता कुछ यूँ है की हम जो भी कपड़े पहनते है उन कपड़ों का जो हिस्सा हमारी नाभि के इर्द-गिर्द होता है, उसके भीतरी हिस्से से हमारे नाभि पर उपस्थित बाल रुई चुराते हैं और नाभि में भर देते हैं, दरअसल ये हमारे बाल नहीं, बल्कि उनमे मौजूद एक खास तरह के सूक्ष्मजीव की वजह से होता है। डॉक्टर कार्ल ने अपनी रिसर्च में ये भी पाया की आप जितना पुराना कपडा पहनेंगे उतना ही कम Navel fluff जमा होगा, ये कोई चिंता का विषय नहीं है, ना ही अपमान कि कोई बात ये शरीर की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।

बैंकिंग फ्रॉड : अकाउंट से चोरी करने वाले ऐप्स से सावधान ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 4 मई : बैंकिंग फ्रॉड में बहुत तेजी से उछाल आया है. कोरोना महामारी के बाद डिजिटल ट्रांजैक्शन में जिस तरह तेजी आई है, डिजिटल बैंकिंग स्कैम के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है. फ्रॉड करने वाले रोजाना नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं. हाल फिलहाल मोबाइल ऐप्स की मदद से अकाउंट खाली करने का प्रचलन बढ़ गया है. इसमें आपके मोबाइल नंबर पर मैसेज की मदद से एक लिंक शेयर किया जाता है. आप जैसे ही इस लिंक पर क्लिक करते हैं आपका अकाउंट खाली हो जाता है.

Bank ने अपने ग्राहकों को ईमेल भेजकर आगाह किया है. इसमें कहा गया है कि उन ऐप्स से बचकर रहें जो आपके अकाउंट से पैसे चुराते हैं. बैंक का कहना है कि 'AnyDesk' की मदद से बैंकिंग फ्रॉड के मामलों में काफी उछाल आया है. अगर आपके फोन पर भी 'AnyDesk' का मैसेज या लिंक शेयर किया जाता है तो भूल से भी इसपर क्लिक नहीं करें. यह आपके फोन से बैंक डीटेल चुरा लेता है और फिर अकाउंट खाली कर दिया जाता है. बैंक ने अपने ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग फ्रॉड से बचने के लिए खास टिप्स दिए हैं.अगर आपको

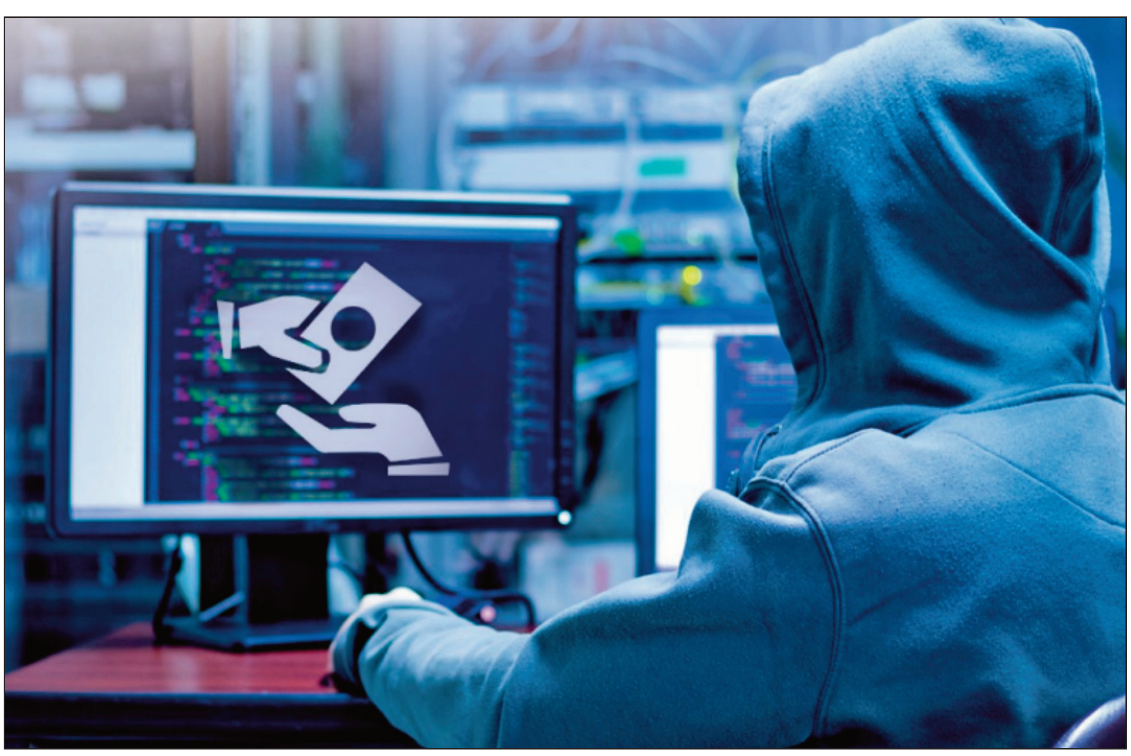

किसी नंबर से कॉल आता है और कहा जाता है कि अकाउंट का KYC अपडेट करना है तो ऐसे कॉल्स को एंटरटेन नहीं करना है. ये लोग पहले KYC अपडेट करने के लिए कहते हैं. फिर मैसेज की मदद से भेजे गए लिंक पर डिटेल शेयर करने के लिए कहा जाता है. कई बार तो AnyDesk और Team Viewer की मदद से रिमोट कंट्रोल की भी बात करते हैं. इन लोगों से बचकर रहें.

फ्रॉड कॉल करने वाले आपसे 9 डिजिट का कोड मांगते हैं. इस कोड को नहीं शेयर करना है. यह आपका कस्टमर आईडी नंबर होता है. किसी भी सूरत में यह जानकारी नहीं शेयर करनी है.

खुद को बैंक एंप्लॉयी बता सकते हैंयह संभव है कि कॉल करने वाले खुद को बैंक के एंप्लॉयी बताएं और KYC अपडेट करने की जगह किसी और काम की बात करें. अगर वे आपसे आपका बैंक अकाउंट डिटेल, कस्टमर आईडी नंबर जैसी जानकारी मांगते हैं तो यह नहीं शेयर करना है , डेबिट कार्ड डिटेल, सीवीवी पिन, एटीएम पिन , ओटीपी, मोबाइल पिन, मोबाइल ऐप्लिकेशन एक्टिवेशन मैसेज की जानकारी साझा नहीं करना है.

थर्ड पार्टी मोबाइल ऐप से बचेंथर्ड पार्टी मोबाइल ऐप जैसे Anydesk / Quick Support को ना तो डाउनलोड करना है और ना ही लॉगिन करना है. कस्टमर केयर का नंबर क्या है?अगर आप एक्सिस बैंक के कस्टमर हैं और किसी तरह का फ्रॉड होता है तो सबसे पहले डेबिट और क्रेडिट कार्ड को ब्लॉक करें. कस्टमर केयर के लिए 860 419 5555 / 1860 500 5555 इस नंबर पर संपर्क करें. वॉट्सऐप से 7036165000 नंबर पर Hi मैसेज भी कर सकते हैं.

चारधाम यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य मित्रों की तैनाती को मंजूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। केंद्र सरकार ने चारधाम यात्रा में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पहली बार बजट मंजूर कर दिया है। इसके तहत चारधाम व यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य मित्रों की तैनाती होगी। वहां तैनात डॉक्टर व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी व अस्पतालों में इलाज की नई सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सरकार ने चारधाम में देशभर से लाखों की संख्या में तीर्थ यात्रियों के आने की वजह से केंद्र से आर्थिक सहायता देने की मांग की थी। इसके तहत अलग अलग योजनाओं के प्रस्ताव केंद्र को भेजे गए थे। जिनमें से कई प्रस्तावों पर केंद्र ने मंजूरी दे दी है। स्वास्थ्य विभाग के सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने बताया कि केंद्र ने चारधाम में तैनात डॉक्टरों व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन भत्ता देने, श्रीनगर में हार्ट रोगियों के इलाज के लिए कैथ लैब खोलने, आधुनिक ऑपरेशन थिएटर खोलने, चारधाम यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य मित्रों की तैनाती के लिए बजट मंजूर किया है। उन्होंने बताया कि चारधाम व यात्रा मार्ग पर पहले चरण में 100 स्वास्थ्य मित्रों की तैनाती होगी जिन्हें प्रतिदिन 570 रुपये मानदेय के रूप में दिए जाएंगे।

> केंद्र सरकार ने चारधाम यात्रा में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 29 करोड़ की योजनाओं को मंजूरी दी है। इससे यात्रियों की स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा होगा और वहां तैनात कर्मचारियों को राहत मिलेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य मित्र तैनात होंगे और अस्पतालों में आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा।
>
> **-डॉ धन सिंह रावत, स्वास्थ्य मंत्री**

स्वास्थ्य कर्मियों को इस तरह मिलेगा प्रोत्साहन : केदारनाथ में तैनात डॉक्टरों को 1500 , पैरामेडिकल व नर्सेस को 1000 , चुतुर्थ श्रेणी कर्मियों को 700 रुपये प्रतिदिन। बद्रीनाथ, घांघरिया, गंगोत्री और यमुनोत्री के साथ ही केदारनाथ रूट पर भीमबली से बड़ी लिंचोली के बीच तैनात डॉक्टरों को 1000, पैरामेडिकल एवं नर्सेस को 600 व चुतुर्थ श्रेणी को 400 रुपये प्रतिदिन। सोनप्रयाग से जंगल चट्टी तक तैनात डॉक्टरों को 700, पैरामेडिकल एवं नर्सेस को 500 व चुतुर्थ श्रेणी को 300 रुपये। रुद्रप्रयाग से फाटा तक तैनात डॉक्टरों को 400, पैरामेडिकल व नर्सेस को 250 एवं चुतुर्थ श्रेणी को 150 रुपये प्रतिदिन दिए जाएंगे। यात्रा रूट के अन्य स्थानों पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों को भी अलग अलग दर से प्रोत्साहन दिया जाएगा।

ऊर्जा निगम में मैनेजमेंट के रुख से इंजीनियर नाराज

देहरादून। ऊर्जा निगम में इंजीनियरों के प्रमोशन न होने से उनमें आक्रोश बढ़ रहा है। निगम में मुख्य अभियंता, अधीक्षण और अधिशासी अभियंता के पद काफी समय से खाली चल रहे हैं। ऊर्जा निगम में जूनियर इंजीनियर से असिस्टेंट इंजीनियर बने जेई संवर्ग और सीधी भर्ती के असिस्टेंट इंजीनियरों के बीच लंबे समय से वरिष्ठता का विवाद चल रहा है। अब हाईकोर्ट ने यूपीसीएल मैनेजमेंट को 19 अप्रैल को वरिष्ठता सूची लौटाते हुए अपने स्तर पर फैसला लेने की छूट दी है। जो भी निर्णय यूपीसीएल लेगा, वो हाईकोर्ट के भविष्य में आने वाले फैसले के अधीन रहेगा। उत्तरांचल पॉवर इंजीनियर एसोसिएशन के महासचिव अमित रंजन ने कहा कि यूपीसीएल में चीफ के तीन, एसई के छह और एक्सईएन के 36 पद खाली हैं।

बदरीनाथ आरती के रचयिता के पैतृक घर पहुंचे पूर्व सीएम त्रिवेंद्र

रुद्रप्रयाग। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत बुधवार को रुद्रप्रयाग जनपद के सतेराखाल पहुंचे। जहां उन्होंने बदरीनाथ की दिव्य आरती के रचयिता स्व. धन सिंह बत्र्वाल के पैतृक घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान पूर्व सीएम का स्थानीय जनता द्वारा फूल मालाओं और ढोल दमाऊं के साथ स्वागत किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कई वर्षों से देश और दुनिया में भगवान बदरीनाथ की आरती के लेखक के बारे में भ्रम था, किंतु 4 वर्ष पहले उनके मुख्यमंत्री काल के दौरान बदरीनाथ आरती के असली लेखक को लेकर सतेराखाल स्यूपुरी का बत्र्वाल परिवार सामने आया। इस विषय में जब गहनता से जांच हुई थी, तब रहस्य से पर्दा उठा था कि भगवान बदरीनाथ की आरती के असली लेखक धन सिंह बत्र्वाल थे, जिन्होंने 1881 में आरती की रचना की थी। त्रिवेंद्र सिंह ने इसे अपने कार्यकाल की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि कार्बन डेटिंग व अन्य दस्तावेजों के आधार पर इस पर मुहर लगाई गई। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बहुत ही गर्व का विषय है, इससे इससे साबित होता है कि हमारी सनातन परंपराएं कितनी मजबूत रही होंगी।

आरती की पांडुलिपि के शोधकर्ता महेंद्र सिंह बत्र्वाल ने अभिनंदन पत्र का वाचन कर पूर्व मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता गम्भीर सिंह बिष्ट ने किया। इस दौरान यूसैक के पूर्व निदेशक प्रोफेसर महेंद्र प्रताप सिंह बिष्ट, बीकेटीसी के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक खत्री, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर सिंह पंवार, पृथ्वीराज चौहान, त्रिलोचन भट्ट, सचेंद्र रावत, कृष्णानंद नौटियाल, त्रिभुवन बत्र्वाल, जयकृत बिष्ट, सतेंद्रपाल बर्तवाल, धीरज बर्तवाल, दीक्षराज रावत, कल्पत सिंह, चंडी सेमवाल, विकास नौटियाल, प्रद्युमन बर्तवाल, अर्जुन नेगी, जीत सिंह मेवाल, हिम्मत रावत आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

मानसखंड झांकी का टिहरी में होगा प्रदर्शन

नई टिहरी। गणतंत्र दिवस परेड 2023 में प्रथम स्थान पर रही उत्तराखण्ड राज्य की झांकी मानसखण्ड का प्रदर्शन जनपद के मुख्य स्थानों पर 10 से 13 मई तक किया जायेगा। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 2023 में उत्तराखण्ड राज्य की झांकी मानसखण्ड ने पूरे देश में प्रथम स्थान किया। मानसखण्ड झांकी जनपद टिहरी क्षेत्रान्तर्गत कीर्तिनगर, देवप्रयाग, जाखणीधार, प्रतापनगर, थौलधार, टिहरी, चम्बा, जौनपुर में 10 से 13 मई तक प्रदर्शित की जायेगी। झांकी को प्रदर्शित करने का उद्देश्य लोगों को वन, वन्यजीव, पर्यावरण, प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ ही अपने उत्तराखण्ड के इतिहास और संस्कृति से अवगत कराना रहेगा। झांकी को सीएम धामी देहरादून से रवाना करेंगे।

पीड़ितों को एक लाख से अधिक की धनराशि दिलाई

नई टिहरी। पुलिस की साइबर क्राईम सेल ने विभिन्न मामलों में कार्यवाही करते हुए पीड़ितों को एक लाख से अधिक की धनराशि उनके खातों में वापस करवाई है। जिसके लिए पीड़ितों ने पुलिस का आभार भी जताया है। पुलिस की मीडिया सेल ने जानकारी देते हुए बताया कि एसएसपी नवनीत सिंह के निर्देशन में साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों को राहत देने का काम किया जा रहा है। जिसे लेकर पीड़ितों लोग धनराशि वापस मिलने पर पुलिस का आभार भी जता रहे हैं। बताया कि गोपाल सिंह राणा निवासी मुनिकीरेती टिहरी गढ़वाल ने गलती से अन्य खाते में ?19,750 की धनराशि ट्रांसफर की गई थी। जिस पर साइबर सेल ने तत्काल कार्यवाही करते हुए संपूर्ण धनराशि 19,750 वापस दिलाये हैं। आवेदक रितेश जोशी निवासी ढालवाला मुनिकीरेती टिहरी से अज्ञात व्यक्ति ने क्रेडिट कार्ड का ओटीपी प्राप्त कर रु 45,584 की धोखाधड़ी की गई थी। जिसमें तत्काल कार्यवाही करते हुए संपूर्ण धनराशि 45,584 रुपये वापिस कराये गये। गोविन्द सिंह निवासी शिवपुरी ने गलती से अन्य खाते में ?25,000 की धनराशि ट्रांसफर की थी। जिसे संपूर्ण रूप से वापस दिलाया गया है। लोकेन्द्र निवासी ढालवाला से अज्ञात व्यक्ति ने ओटीपी प्राप्त कर पेटीएम के माध्यम से रु 13,270 की धोखाधडी की गई थी। जिस पर त्वरित कार्यवाही कर पूरी धनराशि पीड़ीत का वापस दिला दी गई है। इन कार्यवाहियों में सीओ अस्मिता ममगाई, इंस्पेक्टर साईबर सेल देवेंद्र रावत, एसआई जीडी भट्ट, अजयवीर और राहुल की अहम भूमिका रही।

चोरी के माल सहित आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत् गढ़सारी में एक घर से ताला तोडक़र सामान चुराने वाले आरोपी को पुलिस ने चोरी के माल सहित गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपी पेशे से ड्राइवर है और गत वर्ष अक्तूबर माह में वह निकटवर्तीगांव कोटी कमेड़ा में भी पांच घरों का ताला तोडक़र चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनील कुमार पुत्र स्व. तोताराम गैरोला निवासी गढ़सारी द्वारा थाना श्रीनगर में गत 3 मई को इस संदर्भ में तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने कहा है कि बीती रावत को उनके पैतृक घर गढ़सारी में किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा ताला तोडक़र घर से एक टीवी, घरेलू गैस सिलेंडर इंडेन तथा घर के बाहर में मंदिर से 4 घंटियां और म्यूजिक सिस्टम का स्पीकर आदि चोरी कर दिया गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर एसएसआई संतोष पैथवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम घटित की गई। इस मामले में पुलिस की तत्परता से राम सिंह(52) निवासी नयालगढ़ को सुमाड़ी रोड निकट डायट सेंटर खंडाह के पास में चोरी के माल के साथ गिरफ्तार किया गया।

मंत्रीजी के घर महिला कांग्रेस का हल्लाबोल प्रदर्शन, ज्योति ने मांगा इस्तीफा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 4 मई ,महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला सहित जिला अध्यक्ष अंशुल त्यागी सहित महिला कांग्रेस नेत्रियों नें भाजपा से कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को बर्खास्त किये जाने की मांग को लेकर आवास का घेराव किया तत्पश्चात शव यात्रा निकाल कर पुतला दहन किया।

इस दौरान महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला नें कहा कि विगत दिवस राष्ट्रीय राज मार्ग श्रृषिकेश में अपनी विधानसभा के व्यक्ति की समस्याओं को दूर करने के बजाय प्रदेश के वित्त एंव संसदीय कार्य मंत्री द्वारा बीच सड़क में ही अपनी विधानसभा के मजबूर व्यक्ति को दोडा-दोडाक़र मारने की घटना ने पूरे उत्तराखण्ड की जनता ओर देवभूमि की संस्कृति को अपनी छवि से शर्मसार कर दिया हैं।ज्योति रौतेला ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मंत्रीमंडल से मंत्री को तत्काल बर्खास्त करने एंव सड़क के बीचों- बीच अराजकता एंव जनता में भय ओर आंतक की घटना करने वाले मंत्री के ऊपर गुन्डा एक्ट लगाकर गिरफ्तार करके कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की माँग की।

उन्होनें कहा कि मंत्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल पहले भी विवादों में रहे हैं विधानसभा अध्यक्ष रहते हुए विधानसभा के भीतर गुपचुप नियुक्तियों में भी मंत्री का बड़ा हाथ रहा हैं। विगत दिवस मंत्री द्वारा अपनी विधानसभा के गरीब मजलूम व्यक्ति की गुहार को सुनने के बजाय उसकी राष्ट्रीय राजमार्ग में बलवा करने की जो दहशत पेदा की थी वह वीडियो में रोंगटे खड़े करने वाली हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को तत्काल मंत्रीमंडल से बर्खास्त करना चाहिए वरना मंत्री के बाद संसदीय कार्यमंत्री का महत्वपूर्ण जिम्मा हैं। राज्य के एक मंत्री द्वारा स्वयं ऐसी घटना पेदा करके राज्य की कानून व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाकर मुख्यमंत्री की कार्यशेली पर बडा.काला धब्बा लगा दिया हैं। उन्होनें कहा कि यह राज्य के मूल निवासियों के लिए बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस वोट की ताकत से भाजपा को उन्होंने राज्य की गद्दी पर बैठाया, उसी सरकार के मंत्री बीच सड़क पर अपने गनर और पीए के साथ राज्य के युवकों को बेरहमी से पीट रहे हैं.उन्होनें कहा कि इस घटना से उत्तराखंड की छवि धूमिल हुई है. चाहे अपने बेटे को कोरोना की आड़ में सरकारी विभाग में नौकरी दिलाना हो या विधानसभा में नौकरियों की बंदरबांट करना हो, प्रेमचंद अग्रवाल अपनी सत्ता की हनक से सरकारी तंत्र को अंगूठा दिखाते हुए राज्य के निवासियों को नीचा दिखाने में कभी भी पीछे नहीं रहे हैं. उन्होंने सीएम पुष्कर सिंह धामी से प्रेमचंद अग्रवाल को बर्खास्त करने की और विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी से प्रेमचंद अग्रवाल की विधायकी रद्द करने की मांग की है.

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

सेफ्टी टिप्स : क्या आपने मोबाइल की ये 5 सेटिंग बंद नहीं की ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 मई , न्यूज़ वायरस पर आपके मतलब की ढेरों खबरें हम परोसते हैं। मकसद है आपको जागरूकता और जानकारी से भरपूर विषय से रूबरू कराया जा सके। इसी कड़ी में आज बात आपके सबसे प्रिय और करीबी दोस्त की करते हैं जो है आपका मोबाइल... अगर आपके एंड्रॉइड स्मार्टफोन में ये पांच सेटिंग्स ऑन हैं तो इन्हें तुरंत टर्न ऑफ कर दें क्योंकि ऐसा न करने पर आपका डेटा कोई और देख सकता है.

iPhone के मुकाबले एंड्रॉइड स्मार्टफोन भले ही सस्ता आता हो लेकिन इसमें सिक्योरिटी आईफोन जितनी नहीं रहती. दरअसल, एंड्रॉइड स्मार्टफोन एक ओपन सोर्स नेटवर्क है जिसमें हैकर्स सेंध लगा सकते हैं. अगर आप एक एंड्रॉइड स्मार्टफोन यूजर हैं तो अपनी मोबाइल सेटिंग्स का विशेष ध्यान रखें क्योंकि एक गलत परमिशन हैकर्स या स्कैमर्स को न्योता दे सकता है. आज हम आपको एंड्राइड स्मार्टफोन की पांच ऐसी सेटिंग्स के बारे में बताने वाले हैं जिन्हें आपको हमेशा टर्न ऑफ रखना चाहिए ताकि आपकी प्राइवेसी बनी रहे और डेटा लीक न हो.

ऑन न रखें ये सेटिंग्स

Location History: लोकेशन हिस्ट्री के ऑप्शन को ऑन न रखें क्योंकि इससे गूगल आप पर नजर बनाए रखता है कि आप कहा जा रहे हैं और क्या कर रहे हैं. इस हिसाब से फिर आपको ad, होटल्स, क्लब और शॉपिंग मॉल की जानकारी ये दिखाता है. लोकेशन हिस्ट्री को बंद करने के लिए एंड्राइड स्मार्टफोन की सेटिंग में जाएं और फिर गूगल अकाउंट और इसमें मैनेज अकाउंट के ऑप्शन में आकर 'डेटा एंड प्राइवेसी' सेक्शन में आएं. यहां अगर लोकेशन हिस्ट्री ऑन है तो इसे तुरंत बंद कर दें।Near by Device: अगर आपने 'नियर बाय डिवाइस' सेटिंग को ऑन किया है तो इसे भी ऑफ कर दें क्योंकि इससे कोई भी आपके स्मार्टफोन के साथ कनेक्ट हो सकता है और इसे हैक भी किया जा सकता है.Lock Screen Notification: अगर आप नहीं चाहते की कोई और आपके मैसेज या ईमेल आदि पढ़े तो लॉकस्क्रीन पर नोटिकेशन्स को हाइड रखें. इससे ये होगा कि जब भी आपको कोई मैसेज या मेल अलर्ट आएगा तो लॉकस्क्रीन पर कंटेंट को कोई नहीं देख पाएगा. नोटिफिकेशन को हाइड करने के लिए सेटिंग के अंदर नोटिफिकेशन और स्टेटस बार में जाएं और फिर लॉकस्क्रीन पर क्लिक करें और हाइड नोटिफिकेशन के ऑप्शन को ऑन कर दें. मोबाइल में आपको ये do not show के नाम से मिलेगा.Data Saving: डेटा सेविंग फीचर ऑन होने से मोबाइल फोन की बैटरी जल्दी खत्म होती है क्योंकि ये ऐप्स को बैकगॉउन्ड में इंटरनेट यूज नहीं करने देता. आप चाहें तो जरूरत के वक्त इसे ऑन कर सकते हैं. बाकि समय इसे ऑफ कर दें. Personalized Ads: इस सेटिंग को भी गूगल अकाउंट के अंदर जाकर बंद कर दें क्योंकि इसी की मदद से गूगल आपको सारी चीजें दिखाता है कि आपको क्या पसंद है और क्या नहीं. ये ऑप्शन आपको गूगल अकाउंट के अंदर 'डेटा एंड प्राइवेसी' सेक्शन के नीचे मिल जाएगा.

दिमाग को शांत करने के लिए बेहद कमाल हैं ये योग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 4 मई : यह एक विशेष प्राणायाम है, जो आपकी श्वास को नियंत्रित करती है. इसमें सांस लेते समय एक नथुने को बंद रखना और फिर सांस छोड़ते समय दूसरे नथुने को बंद रखना होता है. इसके बाद दूसरे नथुने के साथ ये प्रक्रिया दोहराई जाती है. ऐसा करने से आपके नर्वस सिस्टम संतुलित होती है और समय के साथ यह आपके तनाव को कम करती है , इस हठ योग में आपको पीछे की ओर झुकना होता है. भुजंगासन करने के लिए आपको पेट के बल सीधे लेटना होता है और अपने ऊपरी शरीर को ऊपर उठाना होता है.

भुजंगासन से तनाव दूर करने में काफी मदद मिलती है. इसके साथ ही यह आपकी बाहों, कंधों और ऊपरी पीठ को मजबूत करता है. स्ट्रेस और चिंता को दूर करने के लिए बालासन को बहुत ही उत्तम आसन माना जाता है. इस मुद्रा में आपको घुटनों को आपके नीचे और आपकी छाती को चटाई के पास टक करके रखना होता है. कम से कम 10 मिनट तक इस स्थिति में रहना होता है. अपने एक पैर को लें और इसे अपने दूसरी पैर के ऊपर जांघ पर रखें. वृक्षासन एक एडवांस माउंटेन मुद्रा है, जिसका उद्देश्य आपके संतुलन और एकाग्रता में सुधार करना है. यह हमारे पैरों की बैलेंसिंग मसल्स को मजबूत करने में भी मदद करता है. अगर आप ऊपर दी गई किसी भी मुद्रा को ट्राई नहीं करना चाहते हैं, तो आप शवासन तो कर ही सकते हैं. इसमें आपको केवल चटाई पर आंखें बंद करके लेटना होता है. लेकिन इस छोटे से आसन से आपका तनाव काफी हद तक कम हो जाता है.

चालंग में नगर निगम की जमीन पर कब्जाने वालों पर केस

देहरादून। आईटी पार्क क्षेत्र स्थित चालंग गांव में दो लोगों ने नगर निगम की जमीन पर कब्जा कर लिया। नगर निगम ने मौके पर कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। कब्जा करने वाले दो लोगों के खिलाफ इसे लेकर नगर निगम की तरफ से राजपुर थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। राजपुर थानाध्यक्ष जितेंद्र चौहान ने बताया कि नगर निगम के कर अधीक्षक (भूमि) राहुल कैंथोला ने तहरीर दी। कहा कि चालंग गांव स्थित खसरा संख्या 1135क नगर निगम के नाम पर दर्ज है। इस जमीन के पास मन्नू मित्तल और संजय नेगी की जमीन है। शिकायत मिली कि नगर निगम की जमीन पर मन्नू मित्तल और संजय नेगी निर्माण कराकर कब्जा कर रहे हैं। बीते तीस अप्रैल को मौके पर एसडीएम सदर नरेश चंद्र दुर्गापाल और प्रभारी तहसीलदार सदर ने नगर निगम की टीम संग स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अतिक्रमण करने की पुष्टि हुई। तब नगर निगम में आरोपी दोनों लोगों के खिलाफ राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। एसओ राजपुर ने बताया कि नगर निगम की तरफ से भेजी गई रिपोर्ट की जांच की जा रही है।

उत्तराखंड में राज्य पात्रता परीक्षा को हरी झंडी

देहरादून। उच्च शिक्षा विभाग ने राज्य पात्रता परीक्षा को हरी झंडी दे दी है। इस तरह सरकारी डिग्री कॉलेज और विश्वविद्यालय में सहायक अध्यापक बनने के इच्छुक युवाओं के सामने नेट के अलावा सेट परीक्षा का भी विकल्प उपलब्ध होगा। उच्च शिक्षा विभाग के अपर सचिव प्रशांत आर्य की ओर से बुधवार को इसके आदेश जारी करते हुए, कुमाऊं विश्वविद्यालय को परीक्षा आयोजित कराने के लिए अधिकृत किया गया है। राज्य में पिछली बार राज्य पात्रता परीक्षा 2017 में आयोजित की गई थी। इस कारण युवा सरकार पर उक्त परीक्षा कराने के लिए लगातार दबाव बनाए हुए थे। युवाओं का तर्क था कि अभी डिग्री कॉलेजों में भर्ती के लिए मात्र नेट की अर्हता देखी जाती है, जो कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होती है। इसके समकक्ष राज्य के युवाओं हित सुरक्षित रखने के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा भी आयोजित की जाए। कई राज्य इस परीक्षा को वरीयता देते हैं। इधर, भाजपा नेता रविंद्र जुगरान भी लंबे समय से राज्य पात्रता परीक्षा के लिए शासन के साथ पत्राचार कर रहे थे। राज्य पात्रता परीक्षा को हरी झंडी मिलने पर उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए, मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है। जुगरान के मुताबिक इससे राज्य के युवाओं के हित सुरक्षित हो सकेंगे।

गंगोत्री में कूड़े से बनाई जाएगी बिजली, जल्द लगेगा प्लांट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 4 मई : गंगोत्री में अब कूड़े से बिजली बनेगी। शहरी विकास निदेशालय यहां पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है, जिसके सफल होने के बाद अन्य जगहों पर भी छोटे वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाए जाएंगे। दूसरी ओर, सरकार अब वेस्ट टू एनर्जी नीति 2019 में भी बदलाव करने जा रही है।प्रदेश में वैसे तो कचरे से बिजली बनाने के तमाम दावे और वादे हुए। शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल अपनी टीम के साथ जर्मनी भी गए लेकिन अभी तक इस दिशा में सकारात्मक काम नहीं हो पाया। रुड़की का प्लांट आज तक तैयार नहीं हो पाया। अब पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर गंगोत्री में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाया जा रहा है। इसकी सभी औपचारिकताएं तेजी से पूरी की जा रही हैं।शहरी विकास निदेशक नवनीत पांडे के मुताबिक, कचरे से बिजली बनाने का गंगोत्री का प्लांट बतौर पायलट प्रोजेक्ट है। उन्होंने बताया कि इसकी पर्यावरणीय स्वीकृति आदि की प्रक्रिया चल रही है। सभी स्वीकृतियां मिलने के बाद निदेशालय बिजली बनाने का काम करेगा। इसे जितना भी रिव्यू डिराइव्ड फ्यूल (आरडीएफ) निकलेगा, उससे बिजली बनाने का काम किया जा सकेगा।

कचरे से बिजली बनाने की नीति भी बदलेगी प्रदेश में वर्ष 2019 में कचरे से बिजली (वेस्ट टू एनर्जी) नीति जारी हुई थी। इसके नियम ऐसे थे कि इतने लंबे समय से कूड़े से बिजली बनाने का कोई भी प्लांट शुरू ही नहीं हो पाया है। शहरी विकास निदेशक नवनीत पांडे ने बताया कि इस नीति के कई बिंदुओं में संशोधन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसकी संशोधित नीति आएगी। नीति आने के बाद ही बड़े वेस्ट टू एनर्जी प्लांट बनेंगे।

सुबह-सुबह उठेंगे तो तन और मन दोनों रहेंगे स्वस्थ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 4 मई : सुबह जल्दी उठना मनुष्य को स्वस्थ, धनी और बुद्धिमान बनाता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह जल्दी उठने की आदत डालें। यह दिमाग, शरीर और आत्मा को तरोताजा करने के साथ इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। सूर्योदय से पहले उठने से शरीर और दिमाग फ्रेश रहता है और कब्ज व अपच की समस्या भी नहीं होती।

सुबह जल्दी उठने से शरीर और मन दोनों ही स्वस्थ रहते हैं

सुबह जल्दी उठने से और भी अनेक फायदे हैं या फिर यह कहे कि अनगिनत फायदे हैं। सुबह उठने से हमारा शरीर स्वस्थ और फिट रहता है। सूरज निकलने से पहले उठना बॉडी, माइंड और स्पिरट के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस वक्त उठने से माइंड और बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन पॉजिटिव रहता है। जबकि सूरज निकलने के बाद उठना नेगेटिव ब्लड सर्कुलेशन का कारण बनता है। सूर्योदय से पहले उठने से शरीर और दिमाग फ्रेश रहता है और कब्ज व अपच की समस्या भी नहीं होती। फिर पूरा दिन आपका मूड फ्रेश रहता है। इससे

आपकी पावर व कैपेसिटी बढ़ती है, याददाश्त तेज होती है और नजर भी कमजोर नहीं होती। अगर आप जल्दी उठेंगे तो सोएंगे भी जल्दी ही, जो सेहत के लिए और बेहतर है।

सुबह जल्दी उठने के फायदे अन्य फ़ायदे

मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करता है दुनिया भर में किए गए शोध बताते हैं कि सुबह जल्दी जागना और रात को जल्दी सो जाना हमारे शरीर को पर्याप्त आराम दिलाने में मदद करता है। पर्याप्त नींद कम शारीरिक और मानसिक तनाव के लिए सीधे आनुपातिक है, अगर पर्याप्त नींद मिलती है तो हमारा शरीर खुद को फिर से जीवित करता है।आउटपुट बेहतर होगा सुबह जल्दी उठने से शरीर का आलस खत्म होगा। आप काम जल्दी निपटा के ऑफिस पर जल्दी फोकस करेंगे। ऐसे में आपका आउटपुट अच्छा होगा।प्रमोटेड कंटेंट

खुद के लिए वक्त

यूं तो सुबह जल्दी उठने के हजारों फायदे हैं, उनमें से एक फायदा है अपने लिए समय निकाल पाना। जब आप सुबह जल्दी उठते हैं तब आपके पास दिनचर्या शुरू होने से पहले कुछ घंटे होते हैं। इन घंटों को आप खुद को दे सकते हैं।

रात में अच्छी नींद आती है

सुबह जल्दी उठने से आपको रात में अच्छी नींद आती है। इससे आप पर्याप्त नींद लेते हैं। पूरी नींद लेने से मोटापा समेत अन्य बीमारियां नहीं होती है। अच्छी नींद लेने से आपकी त्वचा प्राकृतिक रूप से ग्लो करता है।

डाइट हेल्दी रहेगी

जल्दी उठेंगे तो दिन में क्या खाना है, इसका प्लान बना सकेंगे। साथ ही ब्रेकफास्ट करने का समय भी होगा। वैसे भी नाश्ते से जो एनर्जी मिलती है, दिन भर की एक्टिविटीज इसी पर निर्भर रहती हैं।

आने वाला है साल का पहला 'मोचा'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 मई , मौसम के उलटफेर के बीच एक और खबर लोगों को परेशान करने वाली आई है। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि 6 मई के आसपास दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवात बनने के आसार नजर आ रहे हैं इसलिए अगले 48 घंटों में मौसम का उलटफेर उड़ीसा और बंगाल के बीच देखने को मिल सकता है क्योंकि ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि एक लो प्रेशर एरिया प्रबल हो सकता है। मौसम विभाग इस पर नजर बनाए हुए हैं।

अगर ये चक्रवात का रूप धारण करता है तो ये साल का पहला साइक्लोन होगा जिसका असर मई के दूसरे हफ्ते में ज्यादा देखने को मिलेगा और ये काफी शक्तिशाली भी हो सकता है। इस साइक्लोन का नाम यमन ने रखा है जो कि लाल सागर के तटीय बंदरगाह के आधार पर है। कहा जा रहा है कि इस चक्रवात का असर पूर्वी भारत से लेकर बांग्लादेश और म्यांमार में भी देखने को मिल सकता है।

फिलहाल मौसम विभाग के इस अपडेट

के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने अधिकारियों की एक बैठक बुलाई थी, जिसमें उन्होंने अधिकारियों से किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है। क्या होते है साइक्लोन साइक्लोन या चक्रवात का नाम लेते ही आंखों के सामने बेतहाशा बारिश और तेज हवाओं की तस्वीर घूम जाती है। अगर आप इसका ग्राफ देखेंगे तो आपको लगेगा कि आप इंग्लिश का U अक्षर देख रहे हैं जो दोनों हाथों में तेज हवाओं और बारिश का झुंड लेकर आगे चल रहा है। वैसे तो ये कम दवाब वाली गर्म हवा के चारों ओर एक चक्र बनाए रखते हैं और जब ये किसी ठंडी चीज से टकराते हैं तो ये भयंकर तूफानों में तब्दील हो जाते हैं। जिसे बहुत बारिश और तेज हवाओं चलतीहैं, जो कि अपने साथ मनुष्यों को भी उड़ाने का दम रखती हैं।

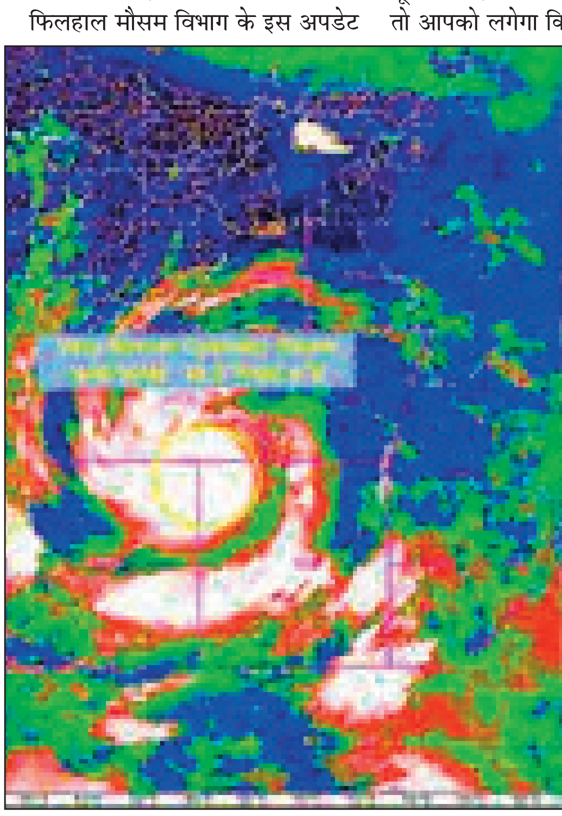

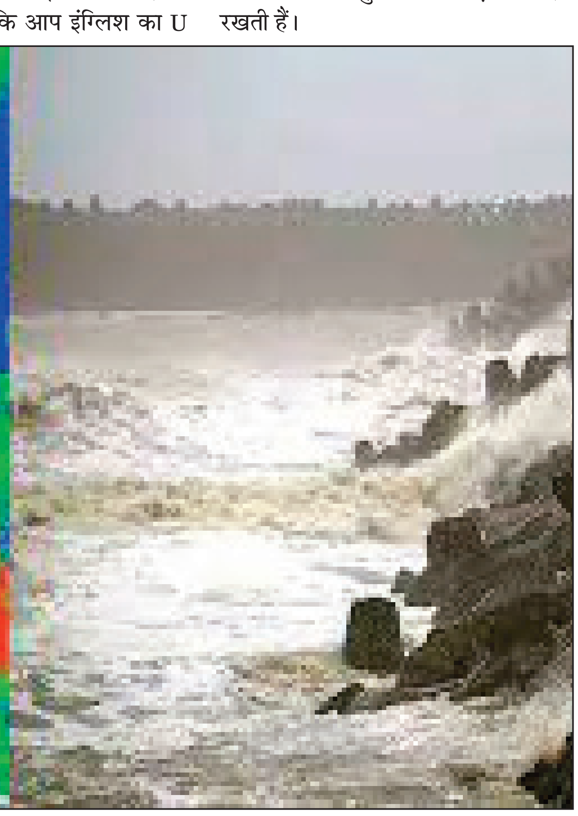

Mutual Fund में निवेश के नुकसान भी जानिए, फायदे में रहेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 मई , भारत में निवेश करने का ट्रेंड तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगर हम पहले ही बात करें, तो फिर केवल सीनियर सिटीजन ही अपने फ्यूचर में वित्तीय सुरक्षा के लिए निवेश करते थे लेकिन अब आज के समय में देश के युवा भी निवेश में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे है। चाहे 500 रु का निवेश बस कर रहे हो मगर निवेश की तरफ युवा आगे बढ़ रहे हैं। यह एक कारण है कि अब निवेश के तरीके को बेहद आसान बना दिया गया है। अब आप ऑनलाइन के माध्यम से भी निवेश कर सकते है।

डायरेक्ट निवेश कर कंपनी के शेयर खरीदते हैं, वही, दूसरी ओर आप म्यूचुअल फंड से शेयर मार्केट में इन-डायरेक्ट निवेश करते हैं। अक्सर म्यूचुअल फंड के फायदे में डायवर्सिफिकेशन को गिना जाता है लेकिन विविधीकरण हमेशा ही ज्यादा बेहतर नहीं होता। यह कभी कभी रिस्क भी साबित होता है। अगर अधिक विविधीकरण होता है, तो फिर आपकी ऑपरेटिंग कॉस्ट में इजाफा हो जाता है जिससे आपको हुए मुनाफे के बारे में आपको जानकारी नहीं होती है।

म्यूचुअल फंड निश्चित गारंटीड रिटर्न की कभी भी पेशकश नहीं करता है, यही वजह है कि आपको अपने म्यूचुअल फंड के मूल्य में गिरावट और इसके साफ हर म्यूचुअल फंड के पिछले पर एक पेशेवर प्रबंधन होते है और एक पेशेवर टीम होती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता है कि आपके फंड को खराब प्रदर्शन से बचाएगा। जो म्यूचुअल फंड होता है यह आपको मार्केट में सीधे इन्वेस्ट करने की इजाजत नहीं देता है।

सभी प्रकार के को म्यूचुअल फंड होते है। इस म्यूचुअल फंड का प्रबंधन फंड मैनेजर द्वारा किया जाता है। बहुत से मामलों में, फंड मैनेजर को विश्लेषकों की एक टीम द्वारा सलाह और मदद दी जाती है।

अब पालतू कुत्ते-बिल्लियों के लिए भी बुक कर सकेंगे रेल टिकट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 मई , पालतू कुत्ते-बिल्ली की टिकट बुकिंग का अधिकार टीटीई को भी देने का विचार हो रहा है. अभी तक पेट पैरेंट्स को अपने पालतू कुत्ते और बिल्लियों को ट्रेन में ले जाने के लिए पार्सल काउंटर पर जाकर फर्स्ट क्लास एसी टिकट, कैबिन व कूप की बुकिंग करनी पड़ती है.एनिमल लवर्स के लिए खुशखबरी है. अब आप अपने पालतू कुत्ते और बिल्ली के लिए भी ट्रेन का ऑनलाइन टिकट बुक कर सकेंगे. जल्द ही यह सुविधा शुरू हो जाएगी. इसका प्रस्ताव तैयार हो चुका है.

रेल मंत्रालय ने पालतू कुत्ते और बिल्लियों के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है. जैसे ही यह सुविधा शुरू होगी आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर आपको पालतू कुत्ते और बिल्ली के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग का ऑप्शन दिखने लगेगा. अभी सिर्फ रेल मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को तैयार किया है जिसके बाद इसे अमल में लाया जाएगा.पालतू कुत्ते-बिल्ली की टिकट बुकिंग का अधिकार टीटीई को भी देने का विचार हो रहा है. अभी तक पेट पैरेंट्स को अपने पालतू कुत्ते और बिल्लियों को ट्रेन में ले जाने के लिए पार्सल काउंटर पर जाकर फर्स्ट क्लास एसी टिकट, कैबिन व कूप की बुकिंग करनी पड़ती है. यह बुकिंग यात्रा वाले दिन ही होती थी. यात्रियों को अपने पालतू कुत्ते और बिल्लियों को ब्रैक वैन में एक बॉक्स में ले जाने की अनुमति थी. इससे पेट पैरेंट्स को अपने पेट के साथ यात्रा करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. इसी को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय पालतू जानवरों के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू करने पर विचार कर रहा है. जिसके लिए आईआर-सीटीसी सॉफ्टवेयर में बदलाव किया जा रहा है. जैसे ही सॉफ्टवेयर में यह बदलाव शुरू होगा और इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जाएगी आप अपने पेट के लिए ऑनलाइन टिकट बुक कर सकेंगे.

मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल का उक्रांद ने किया पुतला दहन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 मई , उत्तराखंड क्रांति दल महानगर इकाई द्वारा प्रेम चंद अग्रवाल का पुतला दहन कर सरकार से उनका इस्तीफा माँगा। धर्म नगरी ऋषिकेश में सुरेन्द्र सिंह नेगी युवक के साथ हुई मार पिटाई व गन्दी गलियों कि घटना ने मंत्री पद कि गरिमा का तार तार कर दिया, इससे केवल भाजपा के चाल चेहरा चरित्र का नुमाइस के साथ साथ पहाड़ विरोधी मानसिकता का प्रदर्शन प्रेम चंद अग्रवाल के द्वारा किया गया। यह घटना सबसे ज्यादा शर्मसार धामी सरकार के लिए है। प्रेम चंद अग्रवाल यही नहीं ऐसी कई घटनाओं को पहले भी अंजाम दे चुके है। दल का आरोप है कि अंकिता भंडारी हत्या कांड में जो संदिग्ध व्यक्ति को बचाने का काम प्रेम चंद अग्रवाल के द्वारा किया गया। उक्रांद का स्पष्ट मानना है कि सरकार का मुखिया पुष्कर सिंह धामी, प्रेम चंद अग्रवाल को मंत्री मण्डल से अविलम्ब बर्खास्त करें। कार्यक्रम में सुनील ध्यानी, दीपक गैरोला, शिव प्रसाद सेमवाल, बिजेंद्र रावत, विपिन रावत, सुलोचना ईष्टवाल, उत्तम रावत, राजेंद्र प्रधान,किरन रावत कश्यप, राजेंद्र गुसाई,दीपक रावत, प्रभात डंडरियल, दीपक मधवाल,सागर भंडारी,मंजू रावत,, सरोज रावत, नैना लखेड़ा, सरोजनी नेगी, पूनम ध्यानी, आशा रावत आदि थे।

जमीन विवाद के केस निपटाने को दस करोड़ मांगने का आरोप

देहरादून। कोर्ट में चल रहे जमीन विवाद के केस को निपटाने के लिए दस करोड़ रुपये मांगे जाने का मामला सामने आया। घटना न्यायालय परिसर की बताई जा रही है। शहर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर कोतवाली विद्याभूषण नेगी ने बताया कि सुमंत भूषण निवासी इंदर रोड की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। मुकदमे में मोहम्मद असलम पुत्र मोहम्मद यामीन निवासी मच्छी बाजार को आरोपी बनाया गया है। कहा कि आरोपी पक्ष पर पीड़ित ने शहर कोतवाली, विकासनगर और डालनवाला थाने में फर्जीवाड़े से उनकी जमीन कब्जाने को लेकर मुकदमे दर्ज कराए हुए हैं। यह केस कोर्ट में चल रहे हैं। पीड़ित ने कहा कि 24 अप्रैल को वह कोर्ट में गए थे। वहां असलम मिला। आरोप है कि उसने डराया कि यह मुकदमे मत कर। वरना जान से हाथ धो बैठेगा। पीड़ित के सारे खानदान को मिटाने की धमकी देने का आरोप है। डराया कि मुकदमों में समाधान चाहता है तो उन्हें दस करोड़ रुपये दे। आरोप है कि असलम गैंग बनाकर अपराध कर रहा है। जिससे पीड़ित दहशत में है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बारिश में सडक़ों किनारे डंप निर्माण सामग्री से बढ़ी परेशानी

देहरादून। दून शहर के विभिन्न इलाकों में बुधवार को भी तेज बारिश हुई। इस बीच शहर में ईसी रोड, डीएल रोड, सहस्रधारा समेत कई इलाकों में सडक़ किनारे डंप पड़ी निर्माण सामग्री की वजह से वाहन चालकों, राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट समेत अन्य योजनाओं का काम बुधवार को भी ठप रहा। आधे अधूरे कार्यों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। वहीं बंजारावाला क्षेत्र में पेयजल और सीवर लाइनों के लिए की गई सडक़ों की खुदाई सभी के लिए परेशानी का सबब बन गई है। राजपुर रोड भी स्थिति बदहाल नजर आई।

मेहनत के बाद भी कम नहीं हो रहा मोटापा, तो करे इस सब्जी का सेवन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 4 मई : गर्मियां आते ही लोग अपनी डाइट में मौसम के मुताबिक बदलाव करने लगते हैं। इस मौसम में चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी से खुद को बचाना बेहद जरूरी है। साथ ही गर्मियों में शरीर को हाइट्रेड रखना भी काफी जरूरी है। इस मौसम में अक्सर पानी की कमी की वजह से व्यक्ति डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाता है। ऐसे में खुद को सेहतमंद बनाए रखने के लिए लोग अपनी डाइट में कई ऐसे फल और सब्जियां शामिल करते हैं, जो उन्हें स्वस्थ रखे। अगर आप भी अपना वजन घटाने के लिए कोई आसान तरीका तलाश रहे हैं, तो इन तरीकों से लौकी का सेवन कर सकते हैं। अपने बढ़ते वजन को कम करने के लिए आप लौकी का सूप पी सकते हैं। इसे बनाना जितना आसान है, उतना ही लाजवाब इसका स्वाद है। लौकी का सूप बनाने के लिए सबसे पहले कुकर में 250 ग्राम लौकी, 1 प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च डालकर अच्छे से पका लें। अब उबली हुई इस सब्जियों को ब्लेंड कर लें। इसके बाद इसमें जीरे का तड़का लगातर पिएं। अगर आप मोटापे से परेशान हैं, तो इससे निजात पाने के लिए लौकी की स्मूदी बढ़िया विकल्प साबित होगी। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले 1 मीडियम साइज की लौकी छील लें। अब मिक्सर में लौकी के टुकड़े और पुदीने की कुछ पत्तियां डालकर इसे पीस लें। स्मूदी का स्वाद बढ़ाने के लिए आप इसमें जीरा पाउडर, काली मिर्च और काला नमक डाल सकते हैं। वजन कम करने के साथ ही यह स्मूदी आपकी सेहत को भी काफी फायदा पहुचाएगी।अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो आसानी से बनने वाली लौकी की सब्जी भी खा सकते हैं। लौकी की सब्जी बनाने के लिए इसके छोटे-छोटे टुकड़े काट लें। अब एक कढ़ाई में थोड़ा सा तेल लेकर इसमें जीरा और हरी मिर्च डालें। इसके बाद कटी हुई लौकी डालकर पकाएं। अब इसमें थोड़ी सी हल्दी डालकर कुछ देर और पकाएं। तैयार है लौकी की हेल्दी और टेस्टी सब्जी।

हवाई अड्डे की सुरक्षा हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जायें : युगल किशोर पन्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 4 मई , जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त की अध्यक्षता में एयरोड्रोम कमेटी की बैठक पन्तनगर एयरपोर्ट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि हवाई अड्डे की सुरक्षा हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जायें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि एयरपोर्ट क्षेत्र को जंगली जानवरों से सुरक्षा हेतु एयरपोर्ट की चाहरदीवारी के अन्तर्गत छाड़ियों का कटान किया जाये तथा कटान कार्य में वन विभाग का भी सहयोग लिया जाये। उन्होंने एयरपोर्ट क्षेत्रान्तर्गत किसी भी दशा में बांस के पौधे न लगाने, एयरपोर्ट क्षेत्र के पास पड़े कूड़े का निस्तारण कराने के निर्देश पन्तनगर विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दिये ताकि जंगली जानवर बांस की चाहत में एयरपोर्ट क्षेत्र की ओर रूख न कर सकें।

समिति ने स्पष्ट कहा कि पन्तनगर यूनिवर्सिटी अपनी भूमि की सुरक्षा करें और किसी भी दशा में अपनी भूमि पर अतिक्रमण न होने दे तथा अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाये। आसमान में वायुयान को बड्र्स से नुकसान की संभावना अधिक रहने के कारण एयरपोर्ट क्षेत्र के आस-पास ऐंसी कोई भी गतिविधि संचालित न की जाये जिससे के बड्र्स (परिन्दे) एयरपोर्ट क्षेत्र की ओर आकर्षित हों। अवैध रूप से एवं खुले क्षेत्र में संचालित मीट के दुकानों को तुरन्त बन्द कराने के निर्देश पुलिस विभाग को दिये गये। एयरपोर्ट क्षेत्र में अधिक ऊंचाई वाले वृक्षों की लोपिंक कराने के निर्देश वन विभाग को दिये गये। बैठक में एसएसपी मन्जूनाथ टीसी, डीएफओ वैभव सिंह, एयरपोर्ट निदेशक सुमित सक्सेना, एसपी चन्द्रशेखर घोड़के, उप जिलाधिकारी प्रत्यूष सिंह, टर्मिनल मैनेजर विश्वनाथ वर्मा सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

शरद पवार का संन्यास

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने इस्तीफा देने की घोषणा की है। करीब 63 साल की अनवरत राजनीति के बाद अब वह एक कदम पीछे जाकर आराम करना चाहते हैं। उम्र भी 82 साल पार कर रही है। अब उनकी इच्छा है कि युवा पीढ़ी एनसीपी का नेतृत्व संभाले और जिम्मेदारियां निभाए। अलबत्ता उन्होंने सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक काम जारी रखने की बात कही है। वह पार्टी के तमाम आयोजनों और कार्यक्रमों में भी मौजूद रहेंगे, यह आश्वासन भी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिया है, लेकिन एनसीपी का औसत कार्यकर्ता यह यथार्थ स्वीकार करने को तैयार नहीं है कि शरद पवार मौजूद हों और कोई दूसरा चेहरा पार्टी अध्यक्ष बन जाए। कुछ हद तक यह ठीक भी है, क्योंकि पवार ही एनसीपी के संस्थापक, जनक, सूत्रधार हैं। ऐसी शख्सियत को खारिज कैसे किया जा सकता है। पवार ने सोनिया गांधी के विदेशी मूल का विरोध करते हुए कांग्रेस छोड़ी थी और पीए संगमा, तारिक अनवर के साथ एनसीपी का गठन किया था। संगमा आज दिवंगत हैं और तारिक कांग्रेस में लौट चुके हैं। एनसीपी के साथ पवार ने एक लंबा राजनैतिक रास्ता तय किया है। उन्हें राष्ट्रीय और महाराष्ट्र की राजनीति का चाणक्य माना जाता रहा है। भारत सरकार में वह रक्षा मंत्री और कृषि मंत्री भी रहे। नेता प्रतिपक्ष की भूमिका भी निभाई। कमोबेश महाराष्ट्र की राजनैतिक जमीन पर उन्होंने कभी भी कमज़ोरी नहीं दिखाई और न ही पार्टी को कमज़ोर होने दिया। कांग्रेस के साथ मिल कर उन्होंने सरकार चलाई। शिवसेना सरीखी धुर विरोधी सोच की पार्टी के साथ उन्होंने ही गठबंधन तैयार किया और उसमें हिस्सा बनने को कांग्रेस को भी सहमत किया। नतीजतन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में सरकार बन सकी थी। जिस नेता को बागी, खलनायक, चाणक्य और घरेलू लड़ाकू करार दिया जाता रहा हो, वह बड़ी उम्र के बावजूद पार्टी की अध्यक्षी छोडने का अचानक ऐलान कर सकता है। हमें यह भी पवार की बाज़ी लगती है, क्योंकि उनके प्रिय भतीजे अजित पवार के साथ उनका कथित अंतर्कलह सतह पर आने लगा था। पवार जीवन भर धर्मनिरपेक्षता की समन्वयवादी राजनीति करते रहे, लिहाजा अजित के भाजपोन्मुखी लगाव और रुझान को वह कैसे स्वीकार कर सकते थे। विशेषज्ञ उनके इस्तीफे का बुनियादी कारण अजित को ही मानते हैं। इस्तीफे की घोषणा कर पवार ने साबित कर दिया कि पार्टी में वह आज भी सर्वस्वीकार्य और सुप्रीमो हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। फ्रोन : 0135-4066790, 2672002 RNI No. : UT-THIN/2012/44094 Cert. Ser. No. : 31406 E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com Website : www.newsvirusnetwork.com YouTube : TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

सीमा पर बाघों की निगरानी को नेपाल ने लगाए कैमरे

चम्पावत। नेपाल ने भारत से सटे सीमावर्ती इलाके में बाघों की निगरानी को कैमरा ट्रैप लगाया है। नेपाली नागरिकों में बढ़ते हमले को देखते हुए नेपाल वन कार्यालय ने सीमावर्ती इलाके में ये कैमरे लगाए हैं। कंचनपुर के नगर पालिका वार्ड नंबर-8 स्थित पचुईं क्षेत्र में बाघों की निगरानी के लिए छह स्वचालित कैमरे लगाए गए हैं। नेपाल-भारत सीमा क्षेत्र में बाघ देखे जाने के बाद कैमरे लगाए गए हैं। कंचनपुर उद्योग वाणिज्य संघ के पूर्व उपाध्यक्ष माधव जोशी ने बताया कि राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण कोष शुक्लफांटा राष्ट्रीय उद्यान के सहयोग से संभाग वन कार्यालय ने सीमा क्षेत्र में छह कैमरे लगाये हैं। बताया कि नेपाली नागरिकों पर बाघों के बढ़ते हमले को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्र में कैमरे लगाए गए हैं। कहा कि इसी क्षेत्र में आठ मई को घास काटने गए एक महिला को बाघ ने मौत के घाट उतार दिया था। सीमावर्ती क्षेत्र के नागरिकों में बाघों का खौफ है। खुली सीमा होने के कारण भारत नेपाल के वन्य जीव एक जगह से दूसरी जगह विचरण करते रहते हैं।

बर्दाखान-बिसराड़ी मोटर मार्ग में डामरीकरण की मांग मुखर

चम्पावत। बाराकोट की बदहाल बर्दाखान-बिसराडी-आली मोटर मार्ग में डामरीकरण की मांग को लेकर ग्रामीण और क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि मुखर हो गए हैं। उन्होंने डीएम को ज्ञापन भेज मोटर मार्ग में डामरीकरण करवाने की मांग उठाई है। ज्येष्ठ उप प्रमुख नंदाबल्लभ बगौली व ग्रामीणों ने डीएम को भेजे ज्ञापन में कहा है कि लोनिवि ने करीब 17 वर्ष करीब छह किमी लंबे बर्दाखान-बिसराड़ी मोटर मार्ग का निर्माण किया गया था। इसमें डामर पूरी तरह उखड़ चुका है। मोटर मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। मोटर मार्ग किनारे नालियां न होने से सारा पानी सडक़ में बहता है और स्क्रबर भी क्षतिग्रस्त हैं। जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को आवाजाही में भारी परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। कहा कि बदहाल मोटर मार्ग में डामरीकरण की मांग पूरी न हुई तो वह लोग आंदोलन को बाध्य होंगे। बगौली ने कहा कि सडक़ सुधारीकरण के लिए लोनिवि ने राज्य योजना के अंतर्गत विस्तृत आगणन की स्वीकृति के लिए शासन में भेजा है।

संक्षिप्त खबरें

सियासी दलों ने खोला कैबिनेट मंत्री अग्रवाल के खिलाफ मोर्चा

हल्द्वानी। मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद सियासी दलों ने कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस और उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने बुधवार को बुद्ध पार्क में मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूंका। मांग की गई कि, सीएम पुष्कर सिंह धामी को मंत्री अग्रवाल का इस्तीफा तुरंत लेना चाहिए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुद्ध पार्क में कैबिनेट मंत्री अग्रवाल के खिलाफ नारेबाजी की। उनसे नैतिकता के आधार पर इस्तीफे की मांग की गई। महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद बिष्ट ने कहा कि मंत्री पद के व्यक्ति का ऐसा आचरण उसकी जिम्मेदारी और जवाबदेही पर सवाल खड़े करता है। वे इस पद पर रहने का हक खो चुके हैं। ब्लॉक अध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, हेम पांडे, जाकिर हुसैन, पूर्व दर्जा मंत्री ललित जोशी, राजेंद्र बिष्ट, सुहेल सिद्दीकी, गजेंद्र गौनिया, विजय चंद्र (पप्पू), महेशानन्द, नेत्रबल्लभ, बबलू बिष्ट, जीवन बिष्ट, योगेश कबड़वाल, हर्षित जोशी, नितिन भट्ट, विक्की छिमवाल, हेमंत कुमार, दिलशाद, विष्णु, हरीश रावत, गणेश टम्टा आदि मौजूद रहे।

बाघ प्रभावित क्षेत्रों में खुले आंगनबाड़ी और स्कूल

पौड़ी। धुमाकोट और रिखणीखाल के बाघ प्रभावित क्षेत्रों में बुधवार से आंगनबाड़ी और स्कूल खोल दिए गए हैं। डीएम ने एसडीएम लैसडौन के अनुरोध पर इन क्षेत्रों के स्कूलों को नियमित रूप से खोलने के आदेश दिए हैं। धुमाकोट और रिखणीखाल में बाघ द्वारा दो व्यक्तियों को मारने के बाद जिला प्रशासन ने यहां के आंगनबाड़ी केंद्र और स्कूल को बंद करने के आदेश दिए थे। हालांकि यहां पर बच्चों का ऑनलाइन से पठन-पाठन करवाया जा रहा था। डीएम डा.आशीष चौहान ने बताया कि धुमाकोट व रिखणीखाल में बाघ द्वारा दो व्यक्तियों को मारने के बाद एतिहात के तौर पर आंगनबाड़ी व स्कूलों को बंद कर दिया गया था। बताया कि वर्तमान में काफी समय से स्कूल बंद होने के चलते स्कूलों में पठन-पाठन प्रभावित हो रहा है। जिस कारण उक्त क्षेत्रों के स्कूलों को बंद किया जाना उचित नहीं है। बताया कि क्षेत्र में बाघ को पकडने के लिए वन विभाग, राजस्व विभाग की टीमे लगातार सक्रिय हैं साथ ही ट्रैंक्यूलाइज टीम भी यहां पर तैनात है। बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में एक सप्ताह से बाघों की सक्रियता नहीं है और ना ही बाघ ट्रैप कैमरों में दिखाई दे रहे हैं। बताया कि एसडीएम लैसडौन के अनुरोध पर रिखणीखाल के ग्राम डल्ला के मेलधार, क्वीराली, तोल्यूं, गाडियूं, जुई, द्वारी, कांडा, कोटडी व धुमाकोट तहसील के भैडगांव, ख्यूणाई तल्ली, मल्ली, बिचली, उम्टा, सिमली तल्ली, चमाडा, सिमली तल्ली, घोडकंद मल्ला, तल्ला, कांडी तल्ली, मल्ली, मन्दियार गांव, खड़ेत, गूम, बेलम क्षेत्र में आने वाले स्कूलों व आंगनबाडियों को बुधवार से अग्रिम आदेशों तक खोल दिया गया है।

विधिक साक्षरता शिविर में दी जानकारी

पौड़ी। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के पौड़ी परिसर के विधि विभाग द्वारा राजकीय इंटर कालेज मसाणगांव में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधि विभाग के शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को उनके मूल अधिकारों के साथ ही विभिन्न कानूनों की जानकारी दी गई। मंगलवार को स्कूल परिसर में आयोजित शिविर में विधि विभागाध्यक्ष प्रो.सुभाषचंद्र गुप्ता, डा.रामप्रकाश, मुकेश रावत के साथ ही विधि छात्र-छात्राओं ने स्कूली बच्चों व ग्रामीणों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, लोक अदालत के साथ ही विभिन्न जानकारियां दी गई। इस मौके पर राजीव काला के साथ ही शिक्षक, ग्रामीण आदि शामिल थे।

कार्यकारिणी का किया विस्तार

पौड़ी। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा ने कार्यकारिणी का विस्तार कर दिया है। मोर्चा के जिलाध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद टम्टा ने बताया कि मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष समीर आर्य और भाजपा की जिलाध्यक्ष सुषमा रावत की सहमति के बाद कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए गोपाल, महावीर सिंह, राकेश मोहन व रमेशचंद्र को जिला उपाध्यक्ष, भक्ति लाल शाह, कविता देवी को जिलामहामंत्री, मुकेश कुमार टम्टा, सिम्मल देवी, नवीन कुमार, ओमप्रकाश को जिलामंत्री, सुनील कुमार को कोषाध्यक्ष, मुकेश कुमार को मीडिया प्रभारी व सोहन सिंह को सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

अनुपस्थिति पर पीएमजीएसवाई के ईई का वेतना रोका

चमोली। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में नन्दानगर ब्लॉक सभागार में तहसील दिवस आयोजित किया गया। तहसील दिवस में दूर दराज से आए लोंगों ने 49 शिकायतें दर्ज की। डीएम ने शिकायतें सुनते हुए अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील दिवस में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों के लिए अतिरिक्त बजट की आवश्यकता है, उनको पूरा करने के लिए समयबद्धता के साथ कार्रवाई की जाए। तहसील दिवस में पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता के मौजूद न रहने पर जिलाधिकारी ने उनका वेतन रोकने के निर्देश भी दिए। तहसील दिवस में मोख मोल्ला, सरपाणी, धुर्मा, कुंडी, ल्वाणी, लुंतरा, तांगला, फरखेत, सेमा, बूरा आदि दूर दराज गांवों से पहुंचे फरियादियों ने अपने क्षेत्र में सडक, शिक्षा, पेयजल, विद्युत, सोलर लाइट, क्षतिग्रस्त पैदल मार्ग, पुलिया निर्माण, मुआवजा, पीएम आवास, आर्थिक सहायता, घाट बाजार से जुड़ी विभिन्न समस्याएं/शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष रखी। घाट बाजार में नालियां व स्कवर न होने से जल भराव की समस्या, बाजार में स्ट्रीट लाईट, महिला शौचालय शुरू न होने, पार्किंग निर्माण, कूडा निस्तारण से जुडी समस्याओं पर जिलाधिकारी ने लोनिवि, जिला पंचायत व एसडीएम को संयुक्त निरीक्षण कर समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए। तहसील दिवस में ब्लॉक प्रमुख भारती फर्सवाण, ज्येष्ठ प्रमुख अव्वल सिंह कठैत, व्यपार संघ अध्यक्ष चरण सिंह नेगी, क्षेपं सदस्य दीपक रतूड़ी, ग्राम प्रधान रेखा देवी, पूजा देवी, नरेन्द्र सिंह नेगी, विमला देवी एवं अन्य जन प्रतिनिधियों सहित डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, संयुक्त मजिस्ट्रेट डा.दीपक सैनी, तहसीलदार धीरज सिंह राणा, जिला विकास अधिकारी डा.महेश कुमार, खंड विकास अधिकारी रमेश चन्द्र अमोली, नायब तहसीलदार विनोद शर्मा एवं समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बदरीनाथ में पुलिस करा रही ?श्रद्धालुओं को दर्शन

चमोली। बदरीनाथ में चमोली पुलिस यात्रियों की सहायता कर रही है। कभी दिव्यांगों को अपने हाथों में लेकर भगवान बदरी विशाल के दर्शन कराने तथा कभी अन्य प्रकार से यात्रियों की सहायता बदरीनाथ में पुलिस कर रही है। उड़ीसा से बदरीनाथ धाम दर्शन को आयी महिला श्रद्धालु मीरा देवनाथ देवी निवासी मलकानगिरी उड़ीसा जो बदरीनाथ भीड़ के दौरान अपने परिवार से बिछड़ गयी। महिला से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपने बेटे की दुकान भोलानाथ वस्त्रालय के बारे में बताया । जिसे गूगल पर सर्च करने पर उनके पुत्र मनोज नाथ का नंबर प्राप्त किया गया। फिर उस नंबर पर कॉल किया गया जो कि मनोज नाथ का ही नंबर था। मनोज नाथ को साकेत तिराहे पर बुलाकर उनकी माता उनके सुपुर्द किया गया।

एडीजी कानून व्यवस्था ने हरिद्वार पुलिस की पीठ थपथपाई, दिए अहम निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 मई , अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखंड डॉ0 वी0 मुरुगेशन द्वारा पुलिस महानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल, एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह एवं अन्य पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में मुख्यालय स्तर से प्रचलित अभियान धोखाधड़ी एवं उद्यापन सम्बन्धी अभियोगों के विरुद्ध जनपद पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही की सर्किलवार विस्तृत समीक्षा की गयी ।समीक्षा के दौरान सभी क्षेत्राधिकारियों ने सर्किलवार उनके क्षेत्र में 1 वर्ष से अधिक लंबित विवेचनाओं के संबंध में एडीजी लॉ एंड ऑर्डर को तथ्यात्मक रूप से अवगत कराया। साथ ही अपने-अपने सर्किलों में विवेचना कर रहे उपनिरीक्षकों द्वारा अभियान के दौरान की गयी कार्यवाही की समीक्षा कर उनका विस्तृत ब्यौरा पेश किया।

जिस पर अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था उत्तराखंड डॉ0 वी0 मुरुगेशन द्वारा कहा गया कि हरिद्वार पुलिस द्वारा अभियान के दौरान अच्छा प्रयास किया गया है लेकिन और बेहतर किया जा सकता है। समस्त क्षेत्राधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि अपने-अपने सर्किल में लंबित पड़ी विवेचनाओं को स्वयं मॉनिटर करें। अपने ऑफिस के मुंशी के सहारे न रहें जिन विवेचकों की परफॉर्मेंस खराब है उनकी रिपोर्ट भेजें और जो अच्छा काम कर रहे हैं उनको प्रोत्साहित करें। पीड़ित को देर में न्याय मिलने से न्याय का कोई महत्व नहीं रहता। पुलिस का काम है कि पीड़ित व्यक्ति को मा0 न्यायालय के माध्यम से न्याय दिलाना जिससे की आमजन का पुलिस पर विश्वास बना रहे ।साथ ही पुलिस अधीक्षक अपराध /नगर /देहात को निर्देशित किया कि पुलिस मुख्यालय या परिक्षेत्रीय स्तर पर जो भी अभियान चलाये जाते हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सभी अधिकारी आपसी समन्वय बनाते हुए अभियान में दिए गए बिंदुओं पर निर्धारित समय के अंदर कार्यवाही करते हुए अभियान को सफल बनाएं। अभियान केवल कागजों में नहीं चलना चाहिए अभियान फील्ड में दिखना भी चाहिए। जनपद के प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान विवेचना में लापरवाही बरतने पर एडीजी लॉ एंड ऑर्डर द्वारा कड़ा रुख अपनाते हुए कोतवाली रुड़की में लगभग 1 वर्ष से प्रचलित धारा 420 के एक अभियोग में उप-निरीक्षक कर्मवीर सिंह को निलंबित किए जाने एवं कोतवाली ज्वालापुर में तैनात उप निरीक्षक वाजिंदर सिंह की प्रारंभिक जांच खोलने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार को निर्देशित किया।

उक्त अभियान के दौरान धोखाधड़ी एवं रंगदारी के 470 अभियोगों में से 273 अभियोगों का निस्तारण किया गया साथ ही 174 अभियुक्तों को 41 सीआरपीसी का नोटिस व 78 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी, 13 अभियुक्तों द्वारा सरेण्ड़र किया गया। शेष 197 अभियोगों में विवेचना प्रचलित है। समीक्षा बैठक में पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल, एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह एवं समस्त पुलिस अधीक्षक/समस्त क्षेत्राधिकारी जनपद हरिद्वार उपस्थित रहे।

मज़दूर का बेटा बना IAS - मसूरी में ले रहा ट्रेनिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 मई , राजस्थान के जोधपुर जिले की तिवरी तहसील के गांव रामनगर में मनरेगा मजदूर मीरा देवी के बेटे सोहनलाल सिहाग ने यूपीएससी 2021 में 681वीं रैंक हासिल की। राजस्थान के जोधपुर की तिवरी तहसील के गांव रामनगर में मनरेगा मजदूर मीरा देवी की पहचान अब आईएएस की मां के रूप में भी है। मीरा देवी के बेटे सोहनलाल सिहाग इस वक्त मसूरी स्थित LBSNAA में आईएएस की ट्रेनिंग ले रहे है ।एक मई को मजदूर दिवस 2023 के आईएएस सोहनलाल सिहाग के पिता गोरधनराम सिहाग ने मीडिया से बातचीत में बेटे की कामयाबी और पत्नी मीरा के साथ-साथ खुद के संघर्ष की पूरी कहानी बयां की। गोरधन बोले कि बेटा ही हाल ही मसूरी में आईएएस की ट्रेनिंग लेने गया है। पत्नी अभी भी मनरेगा में मजदूरी कर रही है ।गोरधन राम ने बताया कि पत्नी मीरा देवी ने मनरेगा में मजदूरी करके ही बेटे सोहनलाल को पढ़ाया-लिखाया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पत्नी मीरा लंबे समय से मनरेगा में मजदूरी कर रही है। आज हमारे परिवार में शादी होने के बाद मजदूरी पर नहीं जा रही है। शादी समारोह सम्पन्न होने के बाद फिर मजदूरी पर लौटेगी ।बता दें कि 26 वर्षीय सोहनलाल को पढ़ाने के लिए किसान पिता गोरधन राम ने भी बीस लाख का कर्ज लिया था। सोहन ने दसवीं तक की पढ़ाई गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से पूरी की। 12वीं कोटा से पास करने के बाद आईआईटी मुम्बई में चयन हुआ। 2018 में आईआईटी पास की। फिर यूपीएससी की तैयारियों में जुट गया।

सोहनलाल ने आईआईटी पास करने के बाद प्लेसमेंट में लाखों का जॉब ऑफर ठुकराकर सिविल सेवा में जाने का मन बनाया। कहीं पर कोचिंग नहीं की। यू-ट्यूब देखकर पढ़ाई की। खुद ही नोट्स बनाए। सोहनलाल यूपीएससी में तीन बार तो प्री भी पास नहीं कर पाए थे। चौथे प्रयास में आईएएस बन गए। सोहन लाल के दो बहन व एक भाई है।

हरिद्वार पॉड टैक्सी से लोगों को एक साल में 154 करोड़ रुपये का फायदा : यूएमआरसी

हरिद्वार। हरिद्वार पॉड टैक्सी से लोगों को एक साल में 154 करोड़ रुपये का फायदा होगा। यह दावा उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूएमआरसी) ने अपनी रिपोर्ट में किया है। टेक्निकल टीम का दावा है कि इस योजना से हर साल 154 करोड़ रुपये लोगों को बचेंगे। इसमें समय, जाम, पेट्रोल और डीजल से बचने वाले रुपये का आकलन किया गया है। पीआरटी को लेकर मेट्रो रेल ने सर्वे के बाद अपनी कई रिपोर्ट दी है। जिसमें विस्तार से जानकारियां दी गई हैं। रिपोर्ट में इस योजना से करोड़ों रुपये बचाने का दावा किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया कि इससे लोगों का समय बचेगा, जिससे लोगों को 69.6 करोड़ रुपये की बचत का अनुमान लगाया है। पीआरटी में जब पैसेंजर चलेंगे तो उनके वाहन मेंटेनन्स और संचालन में खर्च होने वाले 21.1 करोड़ रुपये बचेंगे। दावा है कि इसके साथ ही 20 करोड़ रुपये से अधिक का सालाना पेट्रोल और डीजल बचेगा। एक्सीटेंड में होने वाले खर्च का 3.1 करोड़ की बचत, सडक़ पर लगने वाले जाम से निजात के बाद यात्रियों का 12.4 करोड़ रुपये बचत का अनुमान है। जाम न लगने से लोगों का तेल कम लगेगा और 1.2 करोड़ का उनको फायदा होगा। भीड़ कम होने से सडक़ों के मेंटेनन्स और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर से 3.5 करोड़ बचेगा।

हर साल बढ़ेंगे रुपयेः उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन रिपोर्ट में बताया गया कि हर साल रुपये की बचत बढ़ती जाएगी। पहले साल 154 करोड़, दूसरे 170 करोड़ और 2051 यही बचत 1764 करोड़ रुपये की होगी।

टेक्निकल टीम की ओर से सर्वे करने के बाद रिपोर्ट तैयार की गई है। इस योजना से करोड़ों रुपये की लोगों की बचत होगी।

-जयनंदन सिंह, डीजीएमसी टेक्निकल, मेट्रो रेल कॉरपोरेशन

व्यापारी बोले-पॉड टैक्सी पर किया जा रहा भ्रमितः पॉड टैक्सी के विरोध में व्यापारियों ने खडख़ड़ी में बैठक की। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि परियोजना से जुड़े अधिकारी सरकार को इस योजना को लेकर भ्रमित कर रहे हैं। जनभावनाओं के खिलाफ काम किया जा रहा है। व्यापारियों ने सीएम को पत्र भी लिखा।

महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने कहा कि पॉड कार का निर्धारित रूट सिर्फ जनभावनाओं और हरिद्वार की पौराणिकता को खत्म करने का प्रयास है।

हरिद्वार की जनता और व्यापारी पॉड कार परियोजना के खिलाफ नहीं सिर्फ उसके रूट को लेकर मुखर हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी योजना जनता के लिए बनाई जाती है जिसमें किसी का अहित न हो लेकिन पॉड कार का निर्धारित रूट हरिद्वार अहित के अलावा कुछ नहीं। इसका रूट बदलाव कर धार्मिक एवं जनभावनाओं का सम्मान किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी निर्धारित रूट को जनता पर थोपना चाहते है जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सर्वे से पूर्व जनता की कोई राय लेनी चाहिए थी। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष जितेंद चौरसिया, महामंत्री नाथीराम सैनी, कोषाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुनील मनोचा, जिला उपाध्यक्ष पंकज माटा, मनोज ठाकुर, भूदेव शर्मा, एसएन तिवारी, सोनू आदि मौजूद रहे।